Patrika (Indore), 30th November 2022, Front Page – 04

आइआइटी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

प्रौद्योगिकी विकास की संभावना पर ज्ञान, कौशल को मिले बढ़ावा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में रिसेंट डेवलपमेंट इन एनर्जी मटेरियल्स फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर दो सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) किया जा रहा है। इसका प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा परिदृश्य के हाल के विकास, सामग्री डिजाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन, प्रौद्योगिकी विकास और भविष्य की संभावना पर ज्ञान, कौशल को बढ़ावा देना है।

यह प्रतिभागियों को प्रेरित करेगा व अनुसंधान की समझ प्रदान करेगा। एफडीपी 21 से 26 नवंबर तक ऑनलाइन मोड में हुआ और 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक ऑफलाइन मोड में होगा। इसके लिए देशभर से 50 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। उद्घाटन आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी ने किया। समन्वयक आइआइटी इंदौर से प्रो. परशराम एम. शिरागे और सह-समन्वयक डॉ. रूपेश एस. देवन हैं। एफडीपी के विशेषज्ञ डॉ. विलास पोल, प्रोफेसर, पड्र्यू विवि यूएसए, डॉ. मनोजित पुस्टी, आइएमइपी एलएएचसी-यूनिवर्सिटी ग्रेनोबल एल्प्स फ्रांस, डॉ. सावंत माली, शोध प्रोफेसर, चोनम नेशनल विवि ग्वांगजू, दक्षिण कोरिया, आइआइटी इंदौर के फैकल्टी सदस्य जिसमें डॉ. सुनील कुमार, डॉ. किरण बाला, प्रो. परशराम एम. शिरागे, प्रो. प्रशांत कोडगिरे, प्रो. जीएस मूर्ति शामिल हैं।